भाई को भेजते थे फोटो के पैसे

हर्षा ने बताया कि उन्होंने एक खेल पत्रिका के लिए सचिन पर तब लेख लिखा था जब वह स्कूल क्रिकेट में नाम कमा रहे थे। तब अजीत ने हर्षा को सचिन की तस्वीरें भेजी थीं। एक तस्वीर के लिए हर्षा को 100 रुपये मिले थे और चूंकि तस्वीरें अजीत ने भेजी थीं इसलिए हर्षा ने उन्हें दो तस्वीरों के 200 रुपये का चेक दिया था।

अपने लैंडलाइन फोन का रिसीवर हमेशा क्यों नीचे रखते थे सचिन!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। सचिन तेंडुलकर जब युवावस्था में थे तभी से लोग उनके बारे में बातें करते थे। तभी से उनके टैलंट की बातें की जा रही थीं। यह वह दौर था जब न तो सोशल मीडिया था और न ही मोबाइल। यानी किसी से संपर्क करने के रास्ते सीमित थे। या तो लोग चिट्ठियां लिखा करते थे या फिर फोन। और सचिन की लोकप्रियता का किशोरावस्था में ही यह हाल था कि लोग लगातार उनसे बात करना चाहते थे। हर्षा ने एक यूट्यूब चौनल पर बताया कि एक बार वह सचिन के घर उनसे मिलने गए थे तो उन्होंने रिसीवर नीचे रखा देखकर उनसे पूछा था यह नीचे क्यों है। तब मोबाइल का दौर नहीं आया था। सचिन ने रिसीवर ऊपर रखते हुए कहा था, अब देखिए क्या होता है। और जैसे ही उन्होंने फोन का रिसीवर ऊपर रखा, उसकी घंटी बजने लगी। गौरव कपूर के साथ बातचीत में हर्षा ने कहा कि सचिन जैसे ही फोन का रिसीवर ऊपर रखते फोन घनघनाने लगता। तो, वह फोन कर सकते थे लेकिन सुन नहीं सकते थे। अब इतने लोगों को सचिन का नंबर कहां से मिलता था पर हर्षा ने कहा कि लोग टेलीफोन डायरेक्टरी से सचिन के पिता रमेश तेंडुलकर का नंबर निकालकर उस पर फोन करते।

खाली स्टेडियमों में किया जा सकता है आईपीएल

क्रिकेट

गांगुली ने आईसीसी के बोर्ड की बैठक के बाद राज्य संघों को यह पत्र भेजा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरभ गांगुली ने संकेत दिए हैं कि इस साल के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का आयोजन खाली स्टेडियमों में किया जा सकता है। उन्होंने कहा है कि कोविड–19 महामारी के बावजूद इस निलंबित टूर्नमेंट को आयोजित करने के लिए सभी विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। गांगुली ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के बोर्ड की बैठक के बाद राज्य संघों को यह पत्र भेजा है जिससे लगता है कि बीसीसीआई अध्यक्ष आईपीएल के आयोजन के प्रति आशान्वित हैं।

भारत में कोविड–19 महामारी के कारण अभी तक 8000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और इसी वजह से आईपीएल को

अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। गांगुली ने लिखा है, 'बीसीसीआई इस साल आईपीएल के आयोजन के लिए सभी संभावित विकल्पों पर काम कर रहा है जिसमें खाली स्टेडियमों में खेलना भी शामिल है।' उन्होंने कहा, 'प्रशंसक, फ्रैंचाइजी, खिलाड़ी, प्रसारक, प्रायोजक और सभी हितधारक इस साल आईपीएल के आयोजन की संभावना को लेकर उत्सुक हैं।'

पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, 'हाल में भारत और आईपीएल में भाग लेने वाले अन्य देशों के खिलाड़ियों ने इस साल के आईपीएल का हिस्सा बनने के प्रति अपनी उत्सुकता दिखायी। हम आईपीएल के आयोजन को लेकर आशावादी हैं और बीसीसीआई जल्द ही इस बारे में कोई फैसला करेगा।' कयास लगाए जा रहे हैं कि अगर टी20 विश्व कप ऑस्ट्रेलिया में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नहीं हो पाता है तो आईपीएल उस समय आयोजित किया जा सकता है।

आईसीसी ने विश्व कप के भविष्य पर फैसला अगले महीने तक टाल दिया है। गांगुली ने इसके साथ ही कहा कि बीसीसीआई घरेलू क्रिकेट के कार्यक्रम पर भी काम रहा है जिससे रणजी ट्रोफी, दलीप ट्रोफी और विजय हजारे ट्रोफी जैसे टूर्नमेंट प्रतिस्पर्धी और व्यावहारिक बने रहें। उन्होंने कहा, 'बीसीसीआई अगले क्रिकेट सत्र के लिए घरेलू प्रतियोगिताओं के लिए योजना तैयार करने की प्रक्रिया में है। हम अपनी तरफ से विभिन्न विकल्पों और प्रारूपों पर काम कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि विभिन्न घरेलू टूर्नमेंट प्रतिस्पर्धी बने रहें और उनमें भागीदारी आसान रहे।' गांगुली ने कहा, 'बीसीसीआई अगले दो सप्ताह में इस पर और जानकारी उपलब्ध कराएगा।' बोर्ड अध्यक्ष ने इसके साथ ही सूचित किया कि बीसीसीआई सभी राज्य इकाईयों में क्रिकेट की बहाली के लिए मानक संचालन प्रक्रिया तैयार कर रहा है ताकि इनमें शामिल लोगों की चिकित्सा सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

छोटी पिच और छोटी गेंद... जेमिमा चाहती हैं क्रिकेट में दो बड़े बदलाव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दुबई। भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स और न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डेवाइन का मानना है कि महिला क्रिकेट की लोकप्रियता को बढ़ाने के लिए नयी चीजों जैसे छोटी पिचों और छोटी गेंद का इस्तेमाल की कोशिश की जा सकती है। ऑस्ट्रेलिया की पूर्व क्रिकेटर और शीर्ष कमेंटेटर मेल जोंस के साथ एक घंटे के '100' इनोवेशन्स' सत्र में रोड्रिग्स और डेवाइन ने छोटी पिचों, छोटी गेंद और सुपर सब (सब्स्टीट्यूट) जैसे विषयों पर चर्चा की।

इस साल आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के लिए सर्वाधिक रन जुटाने वाली डेवाइन को लगता है कि छोटी गेंद को लाने से महिलाओं के खेल में

बदलाव आ सकता है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि अगर हम पारंपरिक प्रारूप में ही अटके रहेंगे तो हमें खेल में काफी नए खिलाड़ी और नए बच्चे नहीं मिल पाएंगे। इसलिए मुझे लगता है कि यह बहुत ही रोमांचक विचार है जिससे हम शायद लोगों को प्रोत्साहित कर पाएंगे।'

डेवाइन ने कहा, 'कुछ बदलाव करना हमेशा अच्छा है जिससे पता चल जाता है कि क्या कारगर होगा। मैं शायद छोटी गेंद की प्रशंसक हूं लेकिन पिच को उतना ही रखा जाए जिससे मुझे लता है कि तेज गेंदबाज रफ्तार से गेंदबाजी कर पाएं और स्पिनर गेंद को ज्यादा टर्न कर पाएं।' भारत के लिए टी20 विश्व कप में खेल चुकी रोड्रिग्स छोटी पिचों की पक्षधर थीं। उन्हें हालांकि लगता है कि महिला क्रिकेट की तुलना पुरुषों के क्रिकेट से नहीं करनी चाहिए।

रोड्रिग्स ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैं कहूंगी की पुरुष और महिला क्रिकेट की तुलना नहीं करनी चाहिए। क्योंकि आपको स्वीकार करना होगा कि दोनों के बीच थोड़ा अंतर है।' उन्होंने कहा, 'लेकिन हां, हमें छोटी पिच के इस्तेमाल के लिए खुला होना चाहिए, इसे आजमाना चाहिए। अगर इससे खेल में सुधार करने में मदद मिलती है और इससे अगले स्तर तक पहुंचा जा सकता है तो क्यों नहीं?'

संजीता चानू के खिलाफ डोप का आरोप खारिज, मांगा मुआवजा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इंटरनैशनल वेटलिफ्टिंग फेडरेशन (आईडब्ल्यूएफ) ने भारतीय वेटलिफ्टर के संजीता चानू (दरपजं बिंदन) के खिलाफ लगाए गए डोपिंग के आरोपों को उनके नमूनों में एकरूपता नहीं पाए जाने के कारण खारिज कर दिया। आईडब्ल्यूएफ ने वर्ल्ड एंटी डोपिंग एजेंसी (वाडा) की सिफारिशों के आधार पर यह फैसला किया। फैसले के बाद आहत चानू ने कहा कि आईडब्ल्यूएफ ने अपने कड़े रवैये से उनसे तोक्यो ओलिंपिक्स के लिए क्वॉलिफाइ करने का मौका छीन लिया।

कॉमनवेल्थ गेम्स की पूर्व गोल्ड मेडलिस्ट ने कहा कि उन्हें मानसिक पीड़ा पहुंचाने के लिए आईडब्ल्यूएफ को उनसे माफी मांगनी चाहिए और मुआवजा देना चाहिए। उन्हें आईडब्ल्यूएफ के कानूनी सलाहकार लिला सागी के हस्ताक्षर वाले ई मेल के जरिए अंतिम फैसले से अवगत करा दिया गया है। ईमेल में कहा गया है, 'वाडा ने सिफारिश की है कि नमूने के आधार पर खिलाड़ी के खिलाफ मामला समाप्त किया जाना चाहिए।' वेटलिफ्टर संजीता चानू ने कहा– मैं बहुत खुश हूं कि आखिर में मुझे आधिकारिक तौर पर डोपिंग के आरोपों से मुक्त कर दिया गया है।

न्यूज डायरी

हम बलि का बकरा नहीं है, स्थिति सामान्य करने की कोशिश कर रहे हैं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। वेस्टइंडीज के कप्तान जैसन होल्डर ने कहा कि उनकी टीम कोविड–19 महामारी के बीच पैसे के लालच या दुस्साहस की भावना से टेस्ट सीरीज खेलने के लिए इंग्लैंड दौरे पर नहीं आई है, बल्कि यह उसका परिस्थितियों को सामान्य करने की दिशा में एक वास्तविक प्रयास है। होल्डर ने से कहा, 'कई लोग क्रिकेट की वापसी चाह रहे थे। ऐसा नहीं है कि हम बलि का बकरा बनना चाहते थे। हमारा इन गर्मियों में ब्रिटेन का दौरा करने का शुरू से ही कार्यक्रम था। जब हमने इसकी संभावनाओं को लेकर बात की तो हर कोई सहज था और अब हम यहां हैं।' ब्रिटेन में कोरोना वायरस महामारी का व्यापक प्रभाव पड़ा है जहां अभी तक इस बीमारी के कारण 40,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। दूसरी तरफ कैरेबियाई देशों में बहुत कम संख्या में मामले सामने आए हैं। होल्डर ने कहा कि उनके यहां आने का कारण पैसा नहीं है और वे स्वास्थ्य से समझौता नहीं करेंगे।

सचिन तेंदुलकर से हाथ मिलाकर ऐसा लगा जैसे भगवान से हाथ मिलाया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाज युवराज सिंह ने पिछले साल रिटायरमेंट लिया था। 10 जून 2020 को उनके रिटायरमेंट को एक साल हो गया। इस दिन सोशल मीडिया पर जमकर युवराज सिंह ट्रेंड हो रहे थे। उधर, भारतीय खिलाड़ी और उनके साथ खेल चुके भारतीय दिग्गज खिलाड़ी युवराज सिंह को इसकी बधाई दे रहे थे। इसी दौरान जब सचिन तेंदुलकर ने उनको बधाई दी तो यूवी ने सचिन को भगवान का दर्जा दे दिया। दरअसल, युवराज सिंह ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के साथ अपनी पहली मुलाकात का जिक्र किया और कहा है कि उन्हें ऐसा लगा था, जैसे वे भगवान से हाथ मिला रहे हैं। युवराज सिंह ने अपने करियर की शुरुआत 2000 में आइसीसी चौंपियंस ट्रॉफी से की थी, जिसमें सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली जैसे खिलाड़ी टीम का हिस्सा थे।

हरभजन सिंह ने की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली इस टेस्ट सीरीज की तुलना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम के अनुभवी ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह का करियर करीब दो दशक पहले शुरू हुआ था। भज्जी ने अपने क्रिकेट करियर पर खुद तो उतार–चढ़ाव देखे ही हैं। साथ ही साथ उन्होंने भारतीय टीम के अच्छे और बुरे समय को भी देखा है, क्योंकि भारत ने कुछ टूर्नामेंट इस दौरान हारे हैं तो कुछ जीते भी हैं। आंकड़ों की बात करें तो हरभजन सिंह भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। यह सब इस सदी की शुरुआत में हुआ जब भज्जी ने घरेलू टेस्ट सीरीज में ऑस्ट्रेलिया पर भारत की वापसी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उस सीरीज को आज भी क्रिकेट में खेले गए सबसे महान सीरीजों में गिना जाता है और शायद घरेलू धरती पर भारत के लिए यह सबसे बड़ी जीत है। स्टीव वॉ की टीम ने मुंबई में शुरुआती टेस्ट में शानदार जीत दर्ज की, क्योंकि भारत के खिलाफ कंगारू टीम अलग रंग में खेली। भारत को कोलकाता में भी फॉलोऑन करने के लिए मजबूर किया गया, लेकिन वीवीएस लक्ष्मण और राहुल द्रविड़ के साथ वापसी शुरू हुई।

भारत के फर्स्ट क्लास क्रिकेटर का घर में मिला शव, बेटे को पुलिस ने किया गिरफ्तार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत के पूर्व फर्स्ट क्लास क्रिकेटर जयमोहन थंपी के बेटे को बुधवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थंपी के बेटे को उन्हीं की हत्या में हाथ होने के आरोप के चलते गिरफ्तार किया गया है, क्योंकि सोमवार को तिरुवनंतपुरम के मानाकौड में जयमोहन थंपी का शव उनके घर में पाया गया था। घर से बदबू आने के बाद एक सफाईकर्मी ने पुलिस से शिकायत की थी। 64 साल के जयमोहन थंपी के लिविंग रूम से बदबू आ रही थी, जिसकी शिकायत सफाईकर्मी ने की तो लोगों ने उनको मृत पाया। पूछताछ में पता चला है कि थंपी की मौत उनका मृत शरीर पाए जाने से करीब 30 घंटे पहले हो गई थी।